

पट खोलो मेरी मर्क, खड़े दर्शन हम दीन हो मर्क
पट खोलो-----

पट लागे मैया - कौन जुगों से
आई पुजत मैया - जुगों-जुगों से
दर्शन दे-दो मेरी मर्क ५५५५५५
खड़े हैं लंगूरिया द्वार हो मर्क

पट खोलो-----

बैठीं सिंग पे - तुम अति सोहो
सुर-नर मुनि के मन को मोहो
लज्जा राखो मेरी मर्क ५५५५५५
चरन पखावन आये हो मर्क

पट खोलो-----

शीष मुकुट बाले - मोतिन माला
लाल वस्त्र मैया - हाथ में ज्वाला
रक्षा करो मेरी मर्क ५५५५५५
खड़े चौखट हम दीन हो मर्क

पट खोलो-----

मन मंदिर में- आन विराजी
 शरण गहे की- लज्जा राखो
 विपदा हरो मेरी मर्जी ३३३३३
 करें विनती सब मिल हो मर्जी
 पट खोलो-----

विनती सुनो ओ मैया मेरी
 बीच भँवर में है नैया मेरी
 पार करो मेरी मर्जी ३३३३३
 पड़े हैं चरण में "श्रीबाबा श्री" हो मर्जी
 पट खोलो-----